

श्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I--खण्ड 1

PART I-Section 1

प्राधिकार में प्रकाणित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं ० 202]

नई दिन्ली, सोमवार, नवम्बर 29, 1971/श्रयहायरा 8, 1893

No. 202] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 29, 1971 AGRAHAYANA 8, 1893

इस भाग में भिन्न पष्ठ संस्था वी जाती जिस्ही कि यह ग्रह ग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 29th November 1971

Subject.—Import Policy for Registered Exporters for the year April 1971— March 1972 (Amendment No. 39).

No. 165-ITC(PN)/71.—Attention is invited to the Import Policy for Registered Exporters contained in Volume II of the Import Trade Control Policy Book (Red Book) for year April 1971—March, 1972 issued under the Ministry of Foreign Trade Public Notice No. 44-ITC(PN)/71, dated 30th April, 1971.

2. The following amendments may be made at the appropriate places as indicated below:—

Page No. of the Red Book (Vol. II)	Reference	Amendments
I	2	3
85	A—46 Col. 5	The existing remarks may be substituted by the following:'—
	Jon y	"(I) This item covers vehicular (other than bicycle) earth-moving industrial and rolling stock forglings only ".

I	2	3
180—181	B. 69. 1 Col. 4	Under para (b) for the existing words "Zinc sheets for block insert making" appearing in lines 13-14, insert the following:—
		"Zinc sheets for block making and Zinc Sheets and plates for lithograph".

M. M. SEN, Chief Controller of Imports and Exports.

विवेश व्यापार मंत्रालय

सार्वेजनिक सुचना श्रायात व्यापार नियंत्रण नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 1971

विषय -- अप्रैल 1971--मार्च 1972 वर्ष के लिए पंजीकृत निर्मातकों के लिए स्नायान नीति (संशोधन संख्या 39)।

संख्या 165-माई ० ही ० सी ० (पी ० एन ०) / 71 .-- विदेश व्यापार मंत्रालय की मार्व जितक मुचना संख्या : 44-ग्राई टी सी (पीएन)/71 दिनांक 30-4-71 के ग्रन्तर्गत प्राप्तेल 1971-मार्च 1972 वर्ष के लिए जारी की गई श्रायात व्यापार नियंत्रण नीति पुस्तक (रेडबक) के वा० 2 में पंजीकृत निर्यातकों के लिए निहित श्रायात नीति की श्रीर ध्यान श्राकृष्ट किया जाता है।

2. निम्नलिखित संगोधन नीचे निर्दिष्टानमार उपयक्त स्थानी पर किए जाएं :---

रेड बुक (बा॰ 2) की शृष्ठ संस्था	सं दर्भ	संगोधन
1	. 2	3
85	ए • 49	वर्तमान टिप्पणी (1) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाए:- "(1) इस मद में भेवल यानीय (बाइमिकिल से घन्य)
	कालम 4	मृदबाहकः श्रीद्योगिक तथा रेल के डिब्मों की गढ़ी वस्तुएं श्राली हैं। ''
180-181	बी • 69.1	कण्डिका (बी) में पंक्ति 13-14 में प्रदर्शित वर्तमान शब्दों
	कालम• 4.	"ठप्पे बनाने के लिए जस्ता चहरों" के लिए तिम्नलिखित निविष्ट करें:— "ठप्पे बनाने के लिए जस्ता चहरों और शिला-मुद्रण के लिए जस्ता चहरें और प्लेटें।"

एम० एम० मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्मात ।

सेत.